

जीतेंद्र बनाम रमेश-चन्द्र = 179/25

24/5

फरीदन उपस्थित/अ
अधिकारी 24/5/25
पूर्व आज्ञा अनुसार दि/9/5/25
पेश है
रीडर
उपस्थित अधिकारी वैर

19-5-26

पत्रावली पेश हुई। वकीलवादी अतः वकीलवादी
को रुक-रुक कर कई बार आवाज लगावारी गई।
किंतु ब्यायालय समय तक उप० नहीं हुये। अतः
दावा वादी अदम्य दायरी अदम्य पेशी में व्याजिज
किया जाता है पत्रावली के मल शुभार होकर बाप-
लकमील दारिबल दफतर है।